मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

सत्रीय कार्य (CPJ -11)
फलित ज्योतिष में प्रमाण पत्र

जमा करने की अन्तिम तिथि – 15 जनवरी 2015
कोर्स शीर्षक - खगोलीय परिचय एवं फलित ज्योतिष हेतु आरम्भिक गणित **कोर्स कोड – PJ - 101**
शैक्षिक सत्र - 2014 – 15 **अधिकतम अंक – 40**

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्हीं चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' में 4 प्रश्न दिये गये हैं। जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड – 'क'

1. चान्द्रमास, सौरमास एवं नाक्षत्र मास को परिभाषित कीजिये।
2. ज्योतिष शास्त्र को कालशास्त्र क्यों कहा जाता है ?
3. गुरू एवं शुक्र ग्रह का संक्षिप्त वर्णन कीजिये ।
4. दिन, मास, वर्ष एवं पक्ष को परिभाषित कीजिये।
5. अश्विनी एवं रोहिणी नक्षत्र में उत्पन्न जातक का फल लिखिये ।
6. राशि को परिभाषित करते हुये उनके प्रकृतियों को समझाइये ।
7. ग्रह से आप क्या समझते है ? स्पष्ट कीजिये।
8. यदि जन्म समय 10:00 बजे दिन का हो तथा सूर्योदय 5:45 हो तो इष्टकाल साधन कीजिये।

खण्ड - 'ख'

1. नक्षत्र को परिभाषित करते हुये उनमें उत्पन्न जातकों का फल लिखिये।
2. राशि का विस्तृत वर्णन कीजिये ।
3. शनि, मंगल एवं सूर्य के स्वरूप को समझाते हुये विस्तृत वर्णन कीजिये।
4. योगिनी दशा क्या है ? समझाइये।